मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

भास्कर संवाददाता | गंगरार

राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार नई दिल्ली और मेवाड़ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में 25 जनवरी मंगलवार को कैपेसिटी बिल्डिंग एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण हुआ। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सचिन गुप्ता ने प्रशिक्षण दिया।

संयोजक मीडिया विभाग मेवाड़ विश्विद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय थे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्राओं को स्किल की तरफ ध्यान देने की जरुरत बताई। प्रति-कुलपति आनंद वर्धन शुक्ल ने भी विचार रखे। तीन सत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। दूसरे सत्र में प्रोफेशनल कॅरिअर विषय पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. सर्वोत्तम दीक्षित ने विचार रखे। वर्धमान महावीर विश्वविद्यालय कोटा के मैनेजमेंट विभाग के पूर्व निदेशक प्रो. पवन कुमार शर्मा ने भी संबोधित किया। तीसरे सत्र में डिजिटल लिटरेसी एंड इफेक्टिव यूज ऑफ सोशल मीडिया विषय पर मानविकी एवं सामजिक विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा सिंह, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ उत्तर प्रदेश के पत्रकारिता विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. तनु डंग ने विचार रखे। अध्यक्षता मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएस राणा ने की। संचालन इस राष्ट्रीय प्रशिक्षणशाला के संयोजक और मास मीडिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने तथा धन्यवाद वेब-संगोष्ठी की सह-संयोजिका अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सोनिया सिंगला ने किया। संगोष्ठी की रिपोर्ट डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की। डॉ. हरी सिंह चौहान ने भी विचार रखे। आयोजन सचिव डॉ. गुलजार, पुष्पेन्द्र सोलंकी, डॉ. शुभदा पाण्डेय, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. नीलू, सरिता शर्मा, विमला प्रजापति, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, प्रियंका बिन्ज्लेकर, सैय्यद नासिर हसन आदि ऑनलाइन जुड़े।

Dainik Bhaskar 26-01-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में 'कैपेसिटी बिल्डिंग एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट' प्रशिक्षण का आयोजन

गंगरार, 25 जनवरी (जसं.)। सुनना हमें यह सिखाता है कि कितना बोला जाये। इसलिए सुनने की कला युवाओं को अपने अन्दर विकसित करनी चाहिए।

यह बात राष्ट्रीय महिला आयोग और मेवाड़ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को 'कैपेसिटी बिल्डिंग एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षणशाला में पहले सत्र 'पर्सनल कैपेसिटी बिल्डिंग' में मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सचिन गुप्ता ने प्रशिक्षण देते हुए कही। उन्होंने कहा कि एक बेहतरीन वक्ता के साथ-साथ एक अच्छा श्रोता बनने से हमारी पर्सनालिटी निखर कर आती है। सुनने से संचार कौशल में वृद्धि होती है। सुनने से सामाजिक व्यवहार में भी गुणात्मक वृद्धि होती है। डॉ. सचिन ने टाइम मैनेजमेंट और स्ट्रेस मैनेजमेंट की बारीकियों पर भी छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। इसके पूर्व इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण शाला के संयोजक मीडिया विभाग मेवाड़ विश्विद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार

पाण्डेय ने राष्ट्रीय महिला आयोग के संक्षिप्त इतिहास, मिशन और उसके कार्यों के बारे में जानकारियां साझा की। स्वागत भाषण देते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्राओं को स्किल की तरफ ध्यान देने की जरुरत बताते हुए कहा कि आज छात्राओं के सामने खुला आसमां पड़ा है बस पर खोल कर उड़ने की जरुरत है। मेवाड़ विश्वविद्यालय अपने आरम्भ से ही महिला सशक्तिकरण के मिशन के साथ आगे बढ़ रहा है। पहले सत्र की विषय प्रतिस्थापना करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति आनंद वर्धन शुक्ल ने कहा कि आज हमारे सामने समस्या रोजगार की नहीं है बल्कि आवश्यक प्रोफेशनल कौशल के कमी की है। विद्यार्थी अपनी व्यक्तिगत क्षमता और सॉफ्ट स्किल्स जितना बढ़ाएंगे, उतना ही रोजगार के काबिल बनेंगे।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र 'प्रोफेशनल करियर स्किल्स' की विषय प्रतिस्थापना करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. सर्वोत्तम दीक्षित ने कहा कि यह प्रशिक्षण निश्चित ही छात्राओं के अन्दर प्रोफेशनल कैरियर स्किल्स को बढ़ाने में सहायक होगा। इस विषय पर प्रशिक्षण देते हुए वर्धमान महावीर विश्वविद्यालय कोटा के मैनेजमेंट विभाग के पूर्व निदेशक प्रो. पवन कुमार शर्मा ने छात्राओं को कैरियर पाने के लिए जरूरी आवश्यक स्किल्स की बारीकियां साझा की। तीसरे सत्र 'डिजिटल लिटरेसी एंड इफेक्टिव यूज ऑफसोशल मीडिया' की विषय प्रतिस्थापना करते हुए मानविकी एवं सामजिक विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. चित्रलेखा सिंह ने कहा कि तकनीक की समझ और सोशल मीडिया चलाने में सतर्कता हर बालिकाओं को सीखनी चाहिए। क्योंकि समाज में कई ऐसे गैरसामाजिक तत्व होते हैं जो इसके दुरूपयोग से लड़कियों को आसानी से शिकार बनाने की जुगत में लगे रहते हैं। हमें यह सारे स्किल्स सीख कर उनसे सतर्क होने में मदद मिलेगी। इस सत्र में बतौर प्रशिक्षक बोलते हुए ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ उत्तर प्रदेश के पत्रकारिता विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. तनु डंग ने ईमेल आईडी के इस्तेमाल से जुड़े खतरों से छात्राओं को आगाह किया। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षणशाला की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएस. राणा ने कहा कि व्यक्तित्व क्षमता निर्माण सदैव ही मनुष्य की आवश्यकता रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग के इस इनिशिएटिव की सराहना करनी होगी कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन आयोग द्वारा निरन्तर किया जाता है।

Jannayak 26-01-2022